

टाइप- 2 पोलियो वायरस दूषण की जाँच शुरू

चर्चा में क्यों

हाल ही में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और तेलंगाना में टीकाकरण के लिये इस्तेमाल की जाने वाली शीशियों में पाए गए टाइप- 2 पोलियो वायरस दूषण की जाँच का आदेश दिया है।

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने अपने नियमिती नगिरानी के दौरान मल के कुछ नमूनों में यह वायरस पाया। हालाँकि WHO ने यह भी सुनिश्चिती कथिती की पाए गए मामले अब तक पोलियोमैलाइटसि (पोलियो) के रूप में वकिसति नहीं हुए हैं। फरि भी, सरकार ने उपरोक्त तीनों राज्यों में सावधानी के तहत अतिरिक्ति टीकाकरण का आदेश दे दिया है।
- पाए गए वायरस कषीण (कमज़ोर) पोलियो वायरस हैं तथा ये पक्षाघात का कारण नहीं बनते हैं।
- ये वायरस 4-6 सप्ताह में नष्ट हो जाते हैं और मल के माध्यम से निकल जाते हैं।

पृष्ठभूमि

- वैश्वकि स्तर पर टाइप- 2 पोलियो वायरस का अंतिमि मामला 1999 में भारत के अलीगढ़ में दर्ज कथिती गया था।
- 2014 में भारत को पोलियो मुक्ति घोषिती कथिती गया था तथा अंतिमि मामला जनवरी 2011 में दर्ज कथिती गया था।
- टाइप- 2 पोलियो वायरस के वैश्वकि उन्मूलन के प्रमाणीकरण के बाद भारत ने ट्राईवैलेंट वैक्सीन (tOPV) से बाईवैलेंट वैक्सीन (bOPV) पर स्विच कर लथिती था। पोलियो वैक्सीन से टाइप- 2 घटक को निकालने का उद्देश्य टीका-व्युत्पन्न पोलियो वायरस टाइप- 2 के प्रकोप को कम करना था।
- ओरल पोलियो वैक्सीन (OPV) में एक कमज़ोर लेकनि जीवति पोलियो वायरस होता है जो लकवा संबंधी पोलियो का कारण बन सकता है। इसके अलावा, यह वैक्सीन वायरस से प्रतिरक्षिती बच्चों द्वारा उत्सर्जति कथिती जाता है जो एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में स्थानांतरति हो सकता है। OPV वषिणु को अधिकि वषिक्ति रूप में परिवर्तति होने के लथिती अनुकूल वातावरण प्रदान करता है, जसिसे टीका-व्युत्पन्न पोलियो वायरस (VDPV) का खतरा बढ़ जाता है। आयातति पोलियो की तरह यह खतरनाक VDPV प्रतिरक्षा से वंचति आबादी में प्रकोप को बढ़ा सकता है।
- हाल ही में भारत ने 2018 के लथिती पल्स पोलियो प्रोग्राम भी लॉन्च कथिती था ताकि 28 जनवरी को राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस पर 5 साल से कम उम्र के बच्चों के लथिती ओरल पोलियो वैक्सीन (ओपीवी) का बंदोबस्त कथिती जा सके।

पोलियो

- पोलियो या 'पोलियोमैलाइटसि' या जसि अक्सर बहुतृषा भी कहा जाता है, एक वषिणु-जनति बेहद खतरनाक संक्रामक रोग है। यह आमतौर पर कसिी एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में संक्रमति मल या भोजन के माध्यम से फैलता है।
- शुरुआती लक्षण : अधिकांश मामलों में रोगी को इसके लक्षणों का पता नहीं चल पाता है। इसके लक्षण इस प्रकार हैं- फ्लू जैसा लक्षण, पेट का दर्द, अतिसार (डायरथिती), उल्टी, गले में दर्द, हल्का बुखार, सरि दर्द।
- खतरनाक पोलियो वायरस के 3 उपभेदों (टाइप- 1, टाइप- 2 और टाइप- 3) में से पोलियो वायरस टाइप- 2 को 1999 में खत्म कर दिया गया था। नवंबर 2012 में नाइजीरथिती में दर्ज आखिरी मामले के बाद पोलियो वायरस टाइप- 3 का कोई मामला नहीं मलता है।